अनुमोदित

2018-19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम

संकाय – शिक्षा

सत्र– 2018–19, 2019–20

प्रथम सेमेस्टर

द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम
प्रथम सेमेस्टर

क्रमांक	पाठ्यचर्या के आधार	प्रश्न पत्रों के नाम	अंक	क्रेडिट
1	शिक्षा के परिप्रेक्ष्य	शिक्षा का भारतीय परिप्रेक्ष्य एवं विभिन्न शैक्षिक चिन्तक	50	2
		समकालीन भारतीय शिक्षा की पृष्ठभूमि	50	2
		शिक्षार्थी का बोध	100	4
2	पाठ्यचर्या एवं शिक्षण शास्त्र	ज्ञान अध्ययन की शाखा एवं विषयों का बोध	50	2
		ज्ञान एवं पाठ्यचर्या	50	2
3	व्यावसायिक क्षमताओं में वृद्धि	आत्मबोध एवं योग	50	2
4	समुदाय आधारित गतिविधियां	1 समुदाय के साथ कार्य 2 विश्वविद्यालय में शिक्षणेत्तर गतिविधियां	–	–
	कुल योग		350	14

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

अंक	केडिट
50	2

शिक्षा का भारतीय परिप्रेक्ष्य एवं विभिन्न शैक्षिक चिन्तक

उद्देश्यः

- विद्यार्थी वेदों से ब्रह्मसूत्र तक की शिक्षा के उद्देश्य, महत्व को जान सकेंगे।
- छात्रध्यापक प्राचीन भारतीय शिक्षा के केन्द्रों से परिचित हो सकेंगे।
- छात्रध्यापक प्राचीन भारतीय शिक्षण पद्धतियों एवं परीक्षा तथा मूल्यांकन पद्धतियों से अवगत हो सकेंगे।
- शिक्षार्थी प्राचीन शिक्षा व्यवस्था के प्रबंधन को समझ सकेंगे।
- छात्रध्यापक भारतीय शैक्षिक चिन्तकों के विचारों से अवगत हो सकेंगे।
- छात्रध्यापक प्राचीन भारतीय शिक्षा की वर्तमान में प्रासंगिकता का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई–1 वेदों से ब्रह्मसूत्र तक शिक्षा

- शिक्षा के उद्देश्य, महत्व एवं स्थान
- विभिन्न वर्गों में शिक्षा की व्यवस्था
- लोक शिक्षण

इकाई–2 प्राचीन भारतीय शिक्षा के केन्द्र

- प्राचीन विश्वविद्यालय–तक्षशिला, नालन्दा, काशी, वल्लभी, विक्रम शिला
- विशिष्ट अध्ययन केन्द्र
- बौद्ध, विहार, मठ, टोल, ई गुरूकुल

इकाई–3 प्राचीन शिक्षण पद्धतियाँ एवं मूल्यांकन

- आश्रम पद्धति
- उपनिषदीय पद्धतियां
- महाकाव्य शिक्षण पद्धतियां
- प्राचीन भारतीय शिक्षा में मूल्यांकन की संकल्पना एवं उद्देश्य
- प्रवेश परीक्षा
- सतत् एवं सर्वांगपूर्ण मूल्यांकन
- समावर्तन के अवसर पर मूल्यांकन

- प्रश्नोत्तर, वाद–विवाद, शास्त्रार्थ

इकाई–4 **शिक्षा व्यवस्था का प्रबंधन**

- समाज और राज्य पोषित अवधारणा
- गुणवत्ता की संकल्पना

इकाई–5 **प्राचीन भारतीय शैक्षिक चिन्तक और उनके विचार**

- यास्क, पाणिनी, बाल्मीकी
- रामानन्दीय विचार परम्परा
- स्वामी विवेकानन्द, दयानन्द सरस्वती, श्री अरविन्दो, रवीन्द्रनाथ टैगोर
- महात्मा गांधी, ज्योतिबाफूले, गिज्जू भाई, डॉ. राधाकृष्णन, जिद्दू कृष्णमूर्ति
- पंडिता रमा बाई, सिस्टर निवेदिता, श्रीमाँ, डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

निर्दिष्ट कार्य / सत्रीय कार्य (15 अंक)

- प्राचीन भारतीय चिन्तकों के जीवन दर्शन / शिक्षा दर्शन की समीक्षा करना एवं प्रस्तुतीकरण करना।
- प्राचीन एवं आधुनिक चिन्तकों के दर्शन पर संगोष्ठी आयोजित करना।

संदर्भ ग्रंथ :–

- स्वामी विवेकानन्द–शिक्षा, श्री रामकृष्ण आश्रम, नागपुर।
- स्वामी विवेकानन्द साहित्य–खण्ड 4, अद्वैत आश्रम, कलकत्ता।
- शिक्षा के आयाम–श्री अरविन्द सोसायटी, पाण्डिचेरी।
- ग्रोवर इन्द्रा–संसार के महान शिक्षा शास्त्री, अनुराग प्रकाशन, विशालाक्षी भवन चौक वाराणसी।
- अरविन्द (1969) योग समन्वय (पूर्वार्द्ध) श्री अरविन्द सोसायटी, पाण्डिचेरी।
- रामसकल, पाण्डेय् प्राचीन भारत के शिक्षा मनीषी, शारदा पुस्तक भवन, युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
- छान्दोग्य उपनिषद
- श्रीमद्भगवद् गीता
- शिक्षा के आयाम – श्री अरविन्द पॉण्डिचेरी
- योग समन्वय – श्री अरविन्द पॉण्डिचेरी
- शिक्षा – स्वामी विवेकानंद श्री रामकृष्ण मिशन आश्रम,नागपुर
- व्यक्तित्व सिद्धान्त – डॉ. सीताराम जायसवाल
- योग समन्वय (उत्तरार्ध) – श्री अरविन्द पॉण्डिचेरी
- पातंजल योगसूत्र
- शिव संहिता

- दर्शनोपनिषद्
- शिक्षा -- श्रीमाता जी अरविन्द आश्रम
- गीता प्रवेश -- महेशानंद गिरी
- शिक्षण और संस्कृति -- गांधी साहित्य प्रकाशन
- शिक्षा -- रवीन्द्र नाथ टैगोर
- राष्ट्रचिन्तन -- पं. दीनदयाल उपाध्याय
- शिक्षा एवं संस्कृति -- डॉ. रामानंद तिवारी
- शिक्षादर्शन -- पं. सीताराम चतुर्वेदी
- जीवन की आध्यात्मिक दृष्टि -- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
- काटदरे इन्दूमति, शिक्षा का भारतीय प्रतिमान, पुनरूत्थान प्रकाशन, सेवा ट्रस्ट अहमदाबाद
- तोमर,लज्जाराम, प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति, सुरूचि प्रकाशन, केशवकुंज झंडेवाला, नई दिल्ली।
- तोमर,लज्जाराम, भारतीय शिक्षा के मूल तत्व।

प्रथम सेमेस्टर	अंक	क्रेडिट
द्वितीय प्रश्न पत्र	50	02

समकालीन भारतीय शिक्षा की पृष्ठभूमि

उद्देश्य :

- विद्यार्थी 1772 से लेकर देश की स्वतंत्रता तक गठित विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय समितियों एवं उनके शैक्षिक प्रमाण के बारे में जान सकेंगे।
- छात्रध्यापक स्वतंत्रता के पश्चात् के विभिन्न आयोगों, समितियों तथा भारतीय संविधान में शिक्षा व्यवस्था को जान सकेंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) एवं इसके बाद के शैक्षिक परिदृश्य को समझ सकेंगे।
- शिक्षार्थी शैक्षिक जगत में उगरती प्रवृत्तियों तथा उनके कार्य एवं संकल्पना को समझ सकेंगे।

इकाई–1 1772 से देश की स्वतंत्रता तक

- विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय प्रयास, समस्त समितियां एवं ब्रिटिश पार्लियामेंट में सम्पन्न हुई बहस।
- 1781 कलकत्ता मदरसा, 1784–एशियाटिक सोसायटी
- संस्कृत महाविद्यालय –1791 (जोनाथन डंकन), मैकाले का विवरण पत्र–1835,
- वुड का आदेश पत्र –1854, भारतीय शिक्षा आयोग–1882
- लार्ड कर्जन के शिक्षा संबंधी सुधार–1901, राष्ट्रीय शिक्षा आन्दोलन–1905
- शिक्षा नीति संबंधी सरकारी प्रस्ताव–1913, कलकत्ता विश्वविद्यालय आयोग–1917
- हर्टांग समिति –1929, बुनियादी शिक्षा– 1937

इकाई–2 स्वतंत्रता के पश्चात के विभिन्न आयोग एवं समितियां

- भारतीय संविधान में शिक्षा व्यवस्था
- राधाकृष्णन आयोग, मुदालियर आयोग, कोठारी आयोग
- संपूर्णानन्द समिति
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986), संशोधित एवं कार्य योजना (1992)
- यशपाल समिति–1993, चव्हाण समिति
- ज्ञान आयोग

इकाई–3 शैक्षिक जगत में उभरती प्रवृत्तियां–संकल्पना, गठन के उद्देश्य और कार्य

उभरती प्रवृत्तियाँ –

- खुला विश्वविद्यालय, व्यावसायिक शिक्षा
- दूरस्थ शिक्षा, ई. अध्ययन

इकाई–4 विभिन्न राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थान –

- केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड,
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद(NCERT)
- राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE)
- शिक्षक प्रशिक्षण विश्वविद्यालय(तमिलानडू, गुजरात, पश्चिम बंगाल)
- राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान (NIOS)
- राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (NUEPA)
- पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन पर शिक्षक और प्रशिक्षण(PMMMNMTT)
- अंतर विश्वविद्यालय शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र (IUCTE) (बी.एच.यू. काकीनाडा)

इकाई–5 विभिन्न राज्य स्तरीय शैक्षणिक संस्थान –

- राज्य स्तरीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद(SCERT)
- राज्य शिक्षा केन्द्र, प्रगत शिक्षा अध्ययन संस्थान(IASE), डाइट, शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय (CTE)
- राज्य मुक्त विद्यालय

निर्दिष्ट कार्य/सत्रीय कार्य (15 अंक)

- समूह चर्चा
- इकाई परीक्षा
- दत्तकार्य लेखन एवं प्रस्तुतीकरण।

संदर्भ ग्रंथ :

- तोमर, लज्जाराम, प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति, सुरूचि प्रकाशन, केशवकुंज झण्डेवाला, नई दिल्ली।
- अल्तेकर अनन्त सदाशिव, प्राचीन भारतीय शिक्षण पद्धति, अनुराग प्रकाशन विशालाक्षी भवन चौक, वाराणसी।
- तोमर, लज्जाराम, भारतीय शिक्षा के मूल तत्व, सुरूचि प्रकाशन, केशवकुंज झण्डेवाला नई दिल्ली।

- सक्सेना, एन.आर. स्वरूप – शिक्षा के दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय सिद्धान्त, सूर्या प्रकाशन, मेरठ ।
- भटनागर, सुरेश– आधुनिक भारतीय शिक्षा और समस्याऐं, प्रकाशन हाउस, मेरठ।
- चौबे, सरयू प्रसाद एवं चौबे, अखिलेश – भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याऐं।
- त्यागी एवं पाठक– शिक्षा के सामान्य सिद्धान्त, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- वर्मा, जी. एस.–आधुनिक भारतीय शिक्षा एवं समस्याऐं, लायल बुक डिपो, मेरठ।
- शर्मा, आर. के.– भारत में शैक्षिक व्यवस्था का विकास, राधा प्रकाशन मंदिर, आगरा।
- जौहरी एवं पाठक – भारतीय शिक्षा का इतिहास, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- त्यागी, गुरूसरण – भारतीय शिक्षा का परिदृश्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
- भटनागर, सुरेश – भारत में शिक्षा का विकास, आर. एल. बुक डिपो, मेरठ।
- पाठक, पी.डी. एवं त्यागी–भारतीय शिक्षा के आयोग एवं समितियां, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

प्रथम सेमेस्टर

अंक	क्रेडिट
100	04

तृतीय प्रश्न पत्र

शिक्षार्थी का बोध

उद्देश्य–

- शिक्षा मनोविज्ञान की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा से परिचित हो सकेंगे
- विद्यार्थी के विकास के सिद्धातों की समझ को विकसित कर सकेंगे।
- विकास के विविध सोपान से परिचित हो सकेंगे।
- किशोर बालकों के विकास की समझ से परिचित हो सकेंगे।
- वैयक्तिक विभिन्नताओं से अवगत हो सकेंगे।
- व्यक्तित्व की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा को समझ सकेंगे।
- बुद्धि की भारतीय एवं पाश्चात्य संकल्पना तथा उसके प्रकारों को जान सकेंगे।

इकाई–1 शैक्षिक मनोविज्ञान : एक अवलोकन

- शैक्षिक मनोविज्ञान की अवधारणा,शैक्षिक मनोविज्ञान की भारतीय संकल्पना।
- शैक्षिक मनोविज्ञान की पश्चिमी अवधारणा
- शैक्षिक मनोविज्ञान का क्षेत्र एवं शिक्षक के लिए आवश्यकता,
- शिक्षा एवं मनोविज्ञान का संबंध,
- मनोविज्ञान का शिक्षा में योगदान,
- शिक्षा मनोविज्ञान की विधियां

इकाई–2 शिक्षार्थी का विकास

- विकास की अवधारणाएँ एवं सिद्धांत
- विकास के विभिन्न चरण एवं उनकी विशेषताएँ
- बालक का शारीरिक, मानसिक एवं संवेगात्मक विकास
- बाल्यावस्था में विकास की भारतीय अवधारणा

इकाई–3 किशोरावस्था में विकास, आवश्यकताएँ एवं समस्यायें(भारतीय एवं पाश्चात्य परिपेक्ष्य में)

- किशोरावस्था–तात्पर्य, अध्ययन की आवश्यकता
- भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ में किशोरावस्था से संबंधित अवधारणा
- किशोरावस्था में चारित्रिक विकास एवं चरित्र निर्माण में परिवार, विद्यालय तथा समाज का योगदान
- किशोरावस्था में शारीरिक, मानसिक एवं संवेगात्मक विकास
- किशोरावस्था में स्नायुतांत्रिक विकास–मस्तिष्कः दायां एवं बायां गोलार्ध
- किशोरावस्था की समस्याएँ एवं समाधान

इकाई–4 व्यक्तित्व की अवधारणा – भारतीय दृष्टि के विशेष संदर्भ में

- व्यक्तित्व की संकल्पना– भारतीय पंचकोशीय संदर्भ में
- व्यक्तित्व की पाश्चात्य संकल्पना
- व्यक्तित्व के विभिन्न सिद्धांत
- व्यक्तित्व मापन के विभिन्न परीक्षण
- शिक्षार्थी की व्यक्तिगत विभिन्नताऐं–रूचि,अभिवृत्ति, व्यक्तित्व

इकाई–5 बुद्धि एवं सृजनात्मकता–

- बुद्धि की भारतीय (अंतः करण चतुष्टय) एवं पाश्चात्य संकल्पना, बुद्धिलब्धता
- बुद्धि का विकास एवं विभिन्न सिद्धांत
- बुद्धि एवं सृजनात्मकता
- बुद्धि के विभिन्न परीक्षण
- बुद्धि एवं सृजनात्कता के विभिन्न परीक्षण

निर्दिष्ट कार्य/सत्रीय कार्य/प्रायोगिक कार्य (15 50 अंक)

- इकाई परीक्षा
- विशिष्ट बालकों की आकांक्षाओं का सर्वेक्षण करना।

प्रायोगिक कार्यः

- उपलब्ध व्यक्तित्व परीक्षण का प्रशासन करते हुए कुछ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का मापन एवं प्रतिवेदन तैयार करना।
- उपलब्ध बुद्धिमता परीक्षण का प्रशासन करते हुए कुछ विद्यार्थियों के बुद्धिमता का मापन एवं प्रतिवेदन तैयार करना।
- केस स्टडी (व्यक्ति वृत्त) तैयार करना

संदर्भ ग्रंथ-

- तोमर, लज्जाराम, भारतीय शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार, विद्या भारती प्रकाशन, संस्कृति भवन, कुरुक्षेत्र।
- जायसवाल,सीताराम, भारतीय मनोविज्ञान, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
- श्रीवास्तव, जी.एन.प्रकाश (2002). शिक्षा मनोविज्ञान नवीन विचारधाराएं, कन्सेप्ट पब्लीकेन्शास, नई दिल्ली।
- पांडेय, के.पी. (2007). शिक्षा मनोविज्ञान, दोआब हाउस,नई दिल्ली।
- शैरी, जी.पी.(1961). शैक्षिक मनोविज्ञान,गया प्रसाद एडं सस्, आगरा।
- त्रिपाठी, लाल वचन(1997).अधिगम का मनोविज्ञान, टाटा मैक्ग्रहिल पब्लिशिंग कंपनी लिमटेड, नई दिल्ली।
- शर्मा, रविन्द्र कुमार, शिक्षा मनोविज्ञान, श्री राम पब्लिकेशंन, नई दिल्ली।
- भटनागर, सुरेश,(1984). शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार, लायल बुक डिपो, मेरठ।
- भटनागर, एस. एस., शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- सिंह, अरुण कुमार, शिक्षा मनोविज्ञान, श्री मुद्रण पटना।
- माथुर, एस.एस., शिक्षा मनोविज्ञान, रवि मुद्रणालय, आगरा।

प्रथम सेमेस्टर	अंक	क्रेडिट
चतुर्थ प्रश्न पत्र	50	02

ज्ञान, अध्ययन की शाखा एवं स्कूल विषय का बोध

उद्देश्य

- विद्यार्थी ज्ञान की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी अध्ययन की शाखाओं को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी अध्ययन की शाखा के रूप में मानविकी एवं समाज विज्ञान के स्थान को विद्यालयीन पाठ्यचर्या में समझ सकेंगे।
- शिक्षार्थी अध्ययन की शाखा के रूप में विज्ञान एवं गणित के स्थान को विद्यालयीन पाठ्यचर्या में जान सकेंगे।

इकाई–1 विद्या, ज्ञान एंवं शिक्षा

- विद्या की अवधारणा
- ज्ञान की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा
- ज्ञान के विभिन्न स्रोत
- ज्ञान एवं आंकड़े, सूचना में अन्तर
- ज्ञान एवं वर्तमान शिक्षा

इकाई–2 अध्ययन शाखाओं का बोध एवं स्कूल विषय

- विभिन्न अध्ययन शाखायें
- अध्ययन की शाखाओं का प्रादुर्भाव एवं सम्पूर्ण ज्ञान के परिप्रेक्ष्य में स्थान
- अध्ययन शाखायें एवं स्कूल विषय

इकाई–3 मानविकी एवं समाज विज्ञान : अध्ययन की शाखा के रूप में

- पाठ्यचर्या में मानविकी एवं समाज विज्ञान
- वर्तमान विद्यालयीन पाठ्यचर्या में मानविकी एवं समाज विज्ञान का स्थान
- शिक्षण में मानविकी एवं समाज विज्ञान के मुद्दे एवं चुनौतियाँ
- निम्नलिखित वैश्विक मुद्दों के संदर्भ में जैसेः मानविकी एवं समाज विज्ञान की भूमिका, शांति को बढ़ावा देना तथा विविधता का सम्मान

इकाई–4 विज्ञान एवं गणित : अध्ययन की शाखा के रूप में

- वर्तमान विद्यालयीन पाठ्यचर्या में विज्ञान एवं गणित का स्थान
- शिक्षण में विज्ञान एवं गणित के मुद्दे एवं चुनौतियाँ
- निम्नलिखित मुद्दों के संदर्भ में विज्ञान और गणित की भूमिका, स्वास्थ्य के मुद्दे एवं सतत विकास

इकाई–5 अध्ययन की शाखा से परे

- अंन्तर्विषयक एवं बहुविषयक शिक्षण एवं अधिगमः अर्थ,महत्व एवं संस्था की भूमिका
- अंन्तर्विषयक अधिगम के लिए नीतियाँ/प्रस्ताव (समूह शिक्षण,प्रयोगात्मक अधिगम)
- शिक्षा – अध्ययन शाखा/विषय के रूप में

निर्दिष्ट कार्य/सत्रीय कार्य (15 अंक)

- समूह चर्चा
- इकाई परीक्षा
- अपने विषय से संबंधित विभिन्न अध्ययन शाखाओं का चार्ट बनाना एवं प्रस्तुतीकरण करना।

संदर्भ ग्रंथः

- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2005, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2005, अंग्रेजी शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2005, गणित शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2005, सामाजिक विज्ञान का शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2005, विज्ञान शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2005, भारतीय भाषाओं का शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।
- यादव, सीताराम, पाठ्यक्रम विकास, अग्रवाल प्रकाशन, आगरा।
- सुखिया, एस.पी., पाठ्यक्रम और विद्यालय व्यवस्था, अग्रवाल प्रकाशन, आगरा।

प्रथम सेमेस्टर	अंक	क्रेडिट
पंचम प्रश्न पत्र	50	02

पाठ्यचर्या

उद्देश्य : विद्यार्थी-

- पाठ्यचर्या की अवधारणा,आवश्यकता, एवं पाठ्यचर्या की रूपरेखा को समझ सकेंगे।
- पाठ्यचर्या निर्माण के निर्धारक तत्व को समझ सकेंगे।
- पाठ्यचर्या निर्माण के दृष्टिकोण एवं विकास की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
- पाठ्यचर्या के विभिन्न घटकों, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, मूल्यांकन मुद्दे एवं .समस्याओं को जान सकेंगे।

इकाई-1 पाठ्यचर्या

- पाठ्यचर्या की अवधारणा एवं आवश्यकता
- पाठ्यचर्या- भारतीय परिप्रेक्ष्य में
- पाठ्यचर्या की रूपरेखा, पाठ्यक्रम, पाठ्यवस्तु में अन्तर
- पाठ्यचर्या के परिप्रेक्ष्य एवं आधार

इकाई-2 पाठ्यचर्या की रूपरेखाः विस्तृत विवरण

- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2000 (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली)
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली)
- शिक्षक शिक्षा के लिये राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2009 (राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली)

इकाई-3 पाठ्यचर्या निर्माण के निर्धारक तत्व

- राष्ट्रीय प्राथमिकताएं एवं विचारधारा
- सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक, आर्थिक विविधता
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ
- भारतीय शिक्षा आयोगों के संदर्भ में।

इकाई–4 पाठ्यचर्या विकास

- पाठ्यचर्या निर्माण के दृष्टिकोण
  - विषय केंद्रित दृष्टिकोण
  - विद्यार्थी केंद्रित दृष्टिकोण
  - सामाजिक समस्या दृष्टिकोण
- पाठ्यचर्या के विकास की प्रक्रिया :
  - शैक्षणिक आवश्यकताओं का मूल्यांकन।
  - उद्देश्यों का सूत्रीकरण।
  - विषयवस्तु का चयन एवं व्यवस्थापन।
  - अध्ययन अनुभवों का चयन एवं व्यवस्थापन।
  - मूल्यांकन।

इकाई–5 पाठ्यचर्या का क्रियान्वयन

- पाठ्यचर्या के विभिन्न घटक का ज्ञान
- पाठ्यचर्या एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया
- पाठ्यचर्या एवं मूल्यांकन
- पाठ्यचर्या एवं कक्षा–कक्ष प्रबंधन
- वर्तमान पाठ्यचर्या के मुद्दे एवं समस्याएँ

निर्दिष्ट कार्य / सत्रीय कार्य (15 अंक)

- अपने विषय से संबंधित विद्यालयीन पाठ्यपुस्तकों की समालोचनात्मक विश्लेषण एवं प्रस्तुतीकरण करना।
- इकाई परीक्षा।

संदर्भ ग्रंथ :–

- विद्यालयीन शिक्षा के लिये राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2000, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।
- विद्यालयीन शिक्षा के लिये राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा–2005, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।
- पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें (2.3) एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।
- पाठ्यचर्या बदलाव के लिये व्यवस्थागत सुधार (2.2) एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।
- पाठ्यचर्या नवीकरण के लिये शिक्षक शिक्षा (2.4) एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।
- शिक्षक शिक्षा के लिये राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2009, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली।

प्रथम सेमेस्टर अंक क्रेडिट

आत्मबोध एवं योग 50 - 02

षष्ठम प्रश्न पत्र

उददेश्यः-

- विद्यार्थी आत्मबोध एवं योग की अवधारणा से अवगत हो सकेंगे।
- शिक्षार्थी योग के द्वारा तनाव को दूर करने वाली प्रकिया को सीख सकेंगे।
- छात्र अध्यापक योग एवं आत्मविकास के अंतःसंबंधों को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी योग के द्वारा रचनात्मक स्वास्थ्य को कैसे प्राप्त किया जा सकता है, से अवगत हो सकेंगे।

इकाईः-1 योग- अवधारणा

- योग की अवधारणा आवश्यकता एवं महत्व
- योग एवं शिक्षा तथा शिक्षा में योग का महत्व
- योग एवं व्यक्तित्व विकास

इकाईः-2 योग अभ्यार्थियों के लिये विभिन्न प्रकार की योग पद्धति एवं उनके लक्षण

- पतंजली का अष्टांग योग
- भगवत्गीता ज्ञान, भक्ति योग और कर्म योग
- योग अभ्यर्थी के लक्षण

इकाईः-3 तनाव प्रबन्धन में प्रारब्ध एवं योग की भूमिका

- तनाव की अवधारणा एवं अभ्युद्य
- प्रारब्ध की अवधारणा एवं योग आधारित जीवन पद्धति
- तनाव प्रबन्धन हेतु यौगिक कियाएँ
- योग और यौगिक आहरीय विचार से तनाव प्रबन्धन

इकाईः-4 योग व आत्मविकास

- आत्मविकास की अवधारणा व प्रकृति
- विद्या
- बच्चों में मूल्य विकसित करने में योग की भूमिका
- योग व मानव उत्कर्ष

इकाई 5 योग और स्वास्थ्य

- रचनात्मक स्वास्थ्य हेतु योग की आवश्यकता
- प्राचीन योग साहित्य के अनुसार रचनात्मक स्वास्थ्य में मन की भूमिका
- स्वास्थ्य चिकित्सा और रोग की संकल्पना का यौगिक दृष्टीकोण
- खराब स्वास्थ्य के सम्भावित कारण
- स्वस्थ रहने के सिद्धान्त (आहार-विहार, आचार-विचार)

निर्दिष्ट कार्य / सत्रीय कार्य (15 अंक)

- योग/प्राणायाम से संबंधित विभिन्न चार्ट बनाना एवं प्रस्तुतीकरण करना।
- इकाई परीक्षा

संन्दर्भ ग्रन्थ :-

- नागेन्द्र, एच.आर., प्रमोशन ऑफ पॉजिटिव हेल्थ ।
- नागेन्द्र, एच.आर.-प्राणायाम।
- आयंगर, बी.के.एस. -द लाइट ऑन प्राणायाम।
- स्वामी सत्यानंद सरस्वती- आसन,प्राणायाम,बंध व मुद्रा।
- नागेन्द्र, एच.आर.- योग के आधार और उसके प्रयोग।
- सरोन्दे, अनिल - योग जीवन पद्धति।
- पाण्डे, राजकुमारी- भारतीय योग परंपरा के विभिन्न आयाम।
- स्वामी इनानंद जी- योगदर्शन।
- स्वामी सत्यानंद सरस्वती- मुक्ति के चार सोपान।
- रामहर्ष सिंह- स्वास्थ्य वृत्त।
- संजय दत्ता एवं गर्ग- योग शिक्षा, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।
- क्लाकासलीवाल,(2008). रोग निदान एवं चिकित्सा विज्ञान, सौगानी प्रकाशन, जयपुर।
- श्रीवास्तव, संगीता(2013). आहार नियोजन एवं स्वास्थ्य, इशिका पब्लिशिंग हाउस, जयपुर।
- वर्मा, बिहारी एवं राय, नवीन चंद्र (2013). पतंजली योग, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
- बैनर्जी, कमल(2010). प्राकृतिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खुराना पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
- शर्मा, सुरेन्द्र एवं शर्मा, सुनीता(2008). योग दर्शन, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।